सत्यमेव जयते

आधार
मेरा आधार, मेरी पहचान

भारत सरकार

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण

हिंदी दिवस संदेश - 2016

भारतीय संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को एक मत से यह निर्णय लिया कि हिंदी भारत संघ की राजभाषा और लिपि देवनागरी होगी। इसीलिए संपूर्ण भारतवर्ष में 14 सितंबर का दिन प्रतिवर्ष हिंदी–दिवस के रूप में मनाया जाता है। मैं इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्राधिकरण के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं संप्रेषित करता हूँ।

आज हिंदी भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में अपनी पहचान बना चुकी है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी आज हिंदी में जिस सहजता से बुलंद आवाज में और आत्मविश्वास के साथ विदेशी धरती पर अपनी बात रखते हैं, उसमें हमें गर्व होता है। वह समय दूर नहीं, जब हिंदी भारत में ही नहीं, पूरे विश्व पटल पर अपना परचम लहराएगी ।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का भारत के सभी निवासियों के प्रति, विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है, जिसे निभाने और एक अभियान के तहत अपने उद्देश्य पूर्ति हेतु हिंदी भाषा का अधिकाधिक एवं सरलतम उपयोग नितांत आवश्यक है, ताकि हम जन सामान्य के बीच समन्वय और सम्पर्क स्थापित करके वंचित वर्ग को भी मुख्य धारा से जोड़ सकें ।

किसी भी समाज, क्षेत्र व राष्ट्र का विकास उस समाज, क्षेत्र व राष्ट्र की भाषा के विकास से सीधे जुड़ा होता है। इसलिए मैं प्राधिकरण के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि आज हम सभी दिल से प्रतिज्ञा करें कि हम मिलकर हिंदी को भावनात्मक रूप से अपनाएंगे और अपने रोजमर्रा के काम–काज में इसका अधिक से अधिक प्रयोग करते हुए इसे इसकी चरम सीमा तक विकसित करके स्वयं को व राष्ट्र को गौरवान्वित करेंगे।

अजय भूषण पाण्डेय
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

14 सितंबर, 2016